01

Nav Duniya/Nai Duniya- 05.05.2022
INDORE

रात को उड़ानें बंद रहने से मेट्रो के काम को मिली गति, बड़ी मशीनों का हो पा रहा उपयोग

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। रनवे के टर्न पैड चौड़े करने के लिए एयरपोर्ट प्रबंधन ने दो माह के लिए रात 11 से सुबह 6 बजे तक उड़ानों पर प्रतिबंध लगाया है। इससे मेट्रो ट्रेन का रूट बनाने के काम को गति मिल गई है। दरअसल, यह क्षेत्र एयरपोर्ट के फनल एरिया में आता है। यहां लैंडिंग करते समय विमान काफी नीचे होते हैं, इसलिए बड़ी मशीनों का उपयोग उस दौरान संभव नहीं होता। चूंकि अब रात में विमान नहीं आ रहे, इसलिए बड़ी मशीनों से इस क्षेत्र में काम हो पा रहा है। रोज रात को कंपनी की मशीनें एयरपोर्ट के सामने वाले क्षेत्र में पहुंचती है और सुबह 5 बजे तक काम कर लौट जाती हैं। फिलहाल मेट्रो कंपनी यहां मिट्टी का परीक्षण कर रही है।

प्रधानमंत्री के एयर इंडिया वन विमान को रनवे के अंत से मुड़ने में आने वाली तकलीफ को देखते हुए टर्न पैड चौड़े किए जा रहे है। मेट्रो प्रोजेक्ट के अधिकारियों ने बताया कि एयरपोर्ट के सामने से मेट्रो का भूमिगत स्वरूप तय है। इसलिए यहां मिट्टी का परीक्षण किया जाना जरूरी है। दिन में विमान आते-जाते रहते हैं इसलिए बड़ी मशीनें लगाना संभव नहीं। अत: हमने रात में काम करना तय किया। अभी एरोड्रम थाने के सामने वाले हिस्से में यह परीक्षण किया जा रहा है। हमारी मशीनें रात में ही काम कर लौट आती हैं।

रेडिसन चौराहा के समीप मेट्रो स्टेशन का काम तेजी से चल रहा है। अगले साल सितंबर तक यहां ट्रायल रन का लक्ष्य रखा गया है। ● **नईदुनिया**

पिलर तैयार करने के काम में भी आई तेजी

अधिकारियों ने बताया कि मेट्रो से जुड़े दूसरे कामों में भी तेजी आ गई है। अगले साल के ट्रायल रन के लिए चारों स्टेशन व गांधीनगर में बनने वाले डिपो का काम काफी तेजी से चल रहा है। यहां कंपनी ने आरसीसी प्लांट भी लगा लिया है। लखनऊ की एक कंपनी को इसका ठेका मिला है। एलिवेटेड मेट्रो के लिए जरूरी पिलर भी तेजी से बनाए जा रहे हैं। अब तक 71 पिलर तैयार हो चुके हैं। इस माह के अंत तक 80 पिलर तैयार हो जाएंगे।

02

Nav Duniya/Nai Duniya- 10.05.2022
INDORE

रिंग रोड पर बदल गई पिलर की डिजाइन

इंदौर। रिंग रोड पर बदल गई पिलर की डिजाइन शहर में मेट्रो रेल के लिए पिलर बनाए जा रहे है। सुपर कारिडोर से रेडिसन चौराहे तक तो इनकी की डिजाइन गोल रखी गई है, लेकिन रिंग रोड पर बनाए जा रहे पिलरों की डिजाइन चौकोर कर दी गई है। दरअसल, रिंग रोड पर बने पीपल्याहाना, तीन इमली ब्रिज के पिलरों की डिजाइन भी चौकोर है। ऐसे में ब्रिज और मेट्रो ट्रेन के ट्रैक में भी एकरूपता रहेगी। रिंग रोड वाले हिस्से में पिलरों के लिए गड्ढे भी ज्यादा गहराई तक खोदे जा रहे है।

● नईदुनिया

03

PATRIKA- 19.05.2022

INDORE

आकार लेने लगा इंदौर मेट्रो का ट्रैक

यहीं बिछेगी येलो लाइन

इंदौर @ पत्रिका. शहर में मेट्रो का काम तेजी से जारी है। पहली बार स्पष्ट रूप से आकार लेता ट्रैक नजर आने लगा है। इसी ट्रैक पर येलो लाइन बिछेगी। इसके टेंडर हाल ही में जारी कर दिए गए हैं। मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर का काम लगभग 20 से 22 प्रतिशत तक हो चुका है।

फोटो: आशीष शर्मा

बारिश में भी बनते रहेंगे पिलर और स्टेशन

मेट्रो रेल का अगले साल किया जाना है ट्रायल रन, तेजी से हो रहा काम

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। शहर में चल रहे मेट्रो के काम में अगले माह से होने वाली संभावित बारिश भी बाधा नहीं बन पाएगी। मेट्रो कंपनी इसके लिए तैयारी कर रही है। अगले साल सितंबर में मेट्रो का ट्रायल है, जिसके लिए तेजी से काम किया जा रहा है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार इस साल 15 जून तक इंदौर में मानसून आ जाएगा। शहर में हर साल औसतन 40 इंच वर्षा होती है। मेट्रो रेल परियोजना के अधिकारियों के अनुसार बारिश को लेकर हम अपनी तरफ से तैयारी कर रहे हैं। लगातार तेज बारिश वाले दिनों को छोड़कर हर दिन काम किया जाएगा। बारिश में केवल कांक्रीट का काम नहीं होगा, शेष काम चलते रहेंगे। इनमें पिलर और स्टेशन निर्माण शामिल हैं।

50 फीट पर निकल आता है पानी : मेट्रो के अधिकारियों ने बताया कि इस माह के अंत तक मेट्रो रिंग के 30 से अधिक पिलर तैयार हो जाएंगे। इसमें भी पानी बाधा नहीं बनेगा। दरअसल, एमआर-10 पर पिलर के लिए खोदाई करने पर 50 फीट की गहराई में ही पानी निकल आता है। इसलिए यहां सफलतापूर्वक पिलर खड़े कर लिए गए। इसलिए हम बारिश के मौसम में भी काम करने में समर्थ हैं। सेगमेंट भी तैयार हैं, जिन्हें पिलर पर लांच किया जाना है।

मध्य इलाकों में स्वरूप को लेकर अगले सप्ताह बैठक : जानकारी के अनुसार मेट्रो लाइन सुपर कारिडोर से विजय नगर, बंगाली चौराहा होते हुए पलासिया तक तो एक्लिवेटेड रहेगी, लेकिन गांधी हाल के यहां से कोठारी मार्केट, राजवाड़ा और बड़ा गणपति पर इसका स्वरूप तय नहीं हो पाया है। दरअसल, सांसद शंकर लालवानी के दिल्ली में होने से इसे लेकर बैठक नहीं हो पाई है। मुख्य बाजार के व्यापारी इसे शहर में एक्लिवेटेड रखने की मांग कर रहे हैं, जबकि मेट्रो कंपनी ने इसे भूमिगत रखने का प्रस्ताव भी तैयार किया है। इस पर अंतिम निर्णय जनप्रतिनिधियों की बैठक में किया जाएगा। बड़ा गणपति से सुपर कारिडोर तक मेट्रो लाइन भूमिगत होगी।

रेडिसन चौराहे से विजय नगर के बीच मेट्रो के पिलर बनाए जा रहे है। इसके लिए सरियों के ढांचे खड़े किए जा रहे है। जल्द ही इनमें कांक्रीट भरा जाएगा। ● **नईदुनिया**

यह रहेगी चुनौती

जानकारों के अनुसार मेट्रो का काम रेडिसन चौराहे तक पहुंच गया है। यहां स्टेशन बनाने का काम किया जा रहा है। यहां से आगे के रूट पर पिलर बनाए जाएंगे। इसमें रोबोट चौराहे से लेकर खजराना और बंगाली चौराहे तक काम होगा। बारिश में मलबा उठवाना और सफाई रखना बड़ी चुनौती होगी।

05

NAI DUNIYA- 20.05.2022

INDORE

तमाम खूबियों से लैस होंगे मेट्रो स्टेशन

तैयारी ● मेट्रो रेल का जिन स्टेशनों पर होना है ट्रायल रन, उनके वीडियो इंटरनेट मीडिया पर जारी

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। शहर में अगले साल सितंबर तक मेट्रो का ट्रायल रन का लक्ष्य रखा गया है। ट्रेन को गांधीनगर से भौंरासला होते हुए आइएसबीटी और विजय नगर तक चलाया जाएगा। इसके लिए स्टेशनों की डिजाइन जारी कर दी गई है। ये स्टेशन अलग-अलग खूबियों से लैस होंगे। इंटरनेट मीडिया पर जारी इन वीडियो को लोग काफी पसंद कर रहे हैं।शहर में बनने वाले 31.5 किलोमीटर के मेट्रो कारिडोर का निर्माण चल रहा है। पहले चरण में एलिवेटेड मेट्रो ट्रैक बनाया जा रहा है। इसके लिए पिलर तैयार किए जा रहे हैं। इस माह के अंत तक 80 पिलर तैयार हो जाएंगे। तैयार पिलर पर सेगमेंट लगाने का काम भी चल रहा है।

मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड ने इंटरनेट मीडिया पर जारी किया एयरपोर्ट पर प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन का माडल। ● सौ. विभाग

मेट्रो एक नजर

31.5 किलोमीटर का है मेट्रो रेल का रुट

- गांधी नगर से पलासिया तक ट्रेन सड़क से ऊपर चलेगी, जबकि गांधी हाल से बड़ा गणपति तक मेट्रो ट्रेन का रूट भूमिगत रहेगा या एलिवेटेड, इस पर अभी निर्णय नहीं हो पाया।
- बड़ा गणपति से गांधी नगर तक मेट्रो ट्रेन का रूट भूमिगत रहेगा।
- एयरपोर्ट के समीप स्टेशन बनाने के लिए मिट्टी का परीक्षण चल रहा है।
- अगले साल सितंबर तक मेट्रो के पहले चरण का ट्रायल रन रखा गया है।

स्टेशनों की विशेषताएं

आइएसबीटी स्टेशन

इस स्टेशन पर आइएसबीटी से आने वाले बस के यात्री आसानी से आ सकें, इसके लिए आइएसबीटी के गेट के पास ही मेट्रो स्टेशन का प्रवेश द्वार बनाया जाएगा। यहां लिफ्ट की सुविधा होगी। एफओबी से लोग सीधे मेट्रो स्टेशन तक आ-जा सकेंगे। यहां आने वाले यात्री और आसपास के रहवासी इलाकों के लोगों को इसका लाभ ले सकेंगे।

विजय नगर स्टेशन

इस स्टेशन के भी कई प्रवेश द्वार होंगे। इसमें मंगल सिटी, बीआरटीएस पर भी गेट होंगे। बीआरटीएस के स्टाप के पास से एक मेट्रो का प्रवेश गेट होगा। बस से आने वाले यात्री सीधे कारिडोर से होकर मेट्रो स्टेशन तक पहुंच जाएंगे। यहां पर एस्केलेटर की सुविधा भी रहेगी। विजय नगर चौराहे से 4 मिनट में यात्री मेट्रो स्टेशन तक पहुंच जाएंगे।

विजय नगर मेट्रो स्टेशन का माडल। ● सौ. विभाग

भौंरासला स्टेशन

लवकुश चौराहे के पास बन रहे इस स्टेशन के लिए पांच एंट्री एग्जिट पाइंट होंगे। यहां रिक्शा, साइकिल चालक और पैदल आने वाले लोगों के लिए पार्किंग की विशेष सुविधा होगी। एंट्री पाइंट से चढ़कर लोग फुट ओवरब्रिज से सीधे मेट्रो स्टेशन पर पहुंच जाएंगे। यहां से अस्पताल पास होने से यात्रियों की व्हीलचेयर की सुविधा भी मिलेगी। लिफ्ट से यात्री ऊपर मेट्रो स्टेशन तक पहुंच जाएंगे।

06
NAI DUNIYA- 21.05.2022
INDORE

मेट्रो में सवारी से पहले साइकिल का सफर

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मेट्रो रेल स्टेशनों में साइकिल पार्किंग की विशेष व्यवस्था रहेगी। इससे लोग इस अत्याधुनिक लोक परिवहन में सवार होने के पहले खुद की साइकिल से आ सकेंगे। यहां किराए की साइकिल लेने की सुविधा एआइसीटीएसएल उपलब्ध करवाएगा।

मेट्रो रेल परियोजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार नगर में बनने वाले मेट्रो कारिडोर के सभी स्टेशनों को अन्य लोक परिवहन से जोड़ा जाएगा। इससे लोगों को सुविधा रहेगी। जो लोग साइकिल से यात्रा करना पसंद करते हैं, वे अपनी साइकिल लेकर यहां आ सकेंगे। यहां उनके लिए सुरक्षित पार्किंग बनाई जाएगी। यह सुविधा सभी मेट्रो स्टेशन पर उपलब्ध करवाई जाएगी। यह देखने में आता है कि फिलहाल नगर में लोग साइकिल तो चला रहे हैं, लेकिन बाजार और कार्य स्थल तक लेकर इसलिए नहीं आते, क्योंकि सुरक्षित पार्किंग के प्रबंध नहीं है। लेकिन जब उन्हें सुरक्षित पार्किंग मिलेगी तो वे साइकिल से आकर मेट्रो से यात्रा कर सकेंगे। इस कवायद से सेहत के फिक्रमंद लोगों की सेहत तो बेहतर होगी ही नगर का प्रदूषण स्तर कम करने में भी मदद मिलेगी। अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा इसके अलावा एआइसीटीएसएल द्वारा कुछ शुल्क लेकर मेट्रो ट्रेन के यात्रियों को साइकिल उपलब्ध करवाई जाएगी। अभी नगर के कुछ हिस्सों में यह सुविधा दी जाती है। इसमें अग्रिम भुगतान देकर लोग साइकिल ले जाते हैं। यह सुविधा भी मेट्रो स्टेशनों पर मिलेगी।

एमआर-10 के पास लांचर से पिलर पर सेगमेंट लगाए जा रहे है। ● **नईदुनिया**

10 हजार लोग करते हैं साइकिलिंग

करीब सात साल पहले बने इंदौर साइकिलिंग क्लब में आज एक हजार से ज्यादा सदस्य शामिल है। अब साइकिलिंग को बढ़ावा देने के लिए कई आयोजन किए जाते है। फिटनेस के लिए साइकिलिंग करने वालों की संख्या करीब 10 हजार से अधिक है। कोरोनाकाल में इसमें वृद्धि हुई है।

07

FREE PRESS- 21.05.2022

INDORE

FIRST LOOK AT FOUR METRO STATIONS

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

The first phase of the Indore Metro is expected to be completed by next year and Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited has released some videos of what the stations will look like. They can been seen in the official YouTube channel of MP Metro Rail Corporation

The first phase is between Gandhi Nagar and Radisson Square. In the last 10 months 37 per cent of the work has been completed and the deadline in September 2023. The train will run from Gandhi Nagar via Bhaurasala to ISBT and Vijay Nagar. Stations are being built for this. All stations will be based on multi-modal integration.

Vijay Nagar station

The metro station will be elevated. It will be made in the centre of the square so that passengers from all directions can reach there. At the same time, there will be an entry gate near the BRTS stop at the station. Passengers coming by bus will directly reach the metro station via the corridor. There will also be an escalator facility.

Airport station

It will come under the metro's priority corridor looking at the Indore international airport. The metro station will be an underground station and subway entry\exit points on both sides of the airport road and also on the airport premises near the terminal building. Airport station and airport will be connected by an underground tunnel.

ISBT station

At this metro station, the entrance is being built near the ISBT gate. There will be a lift facility here. From FOB people will be able to go directly to the metro station. The travellers coming here and the people of the nearby residential areas will be able to take advantage of it. Horizontal escalator will be there.

Luvkush station

In all, 5 entry and exit gates will be prepared for passenger movement at this station. Passengers can reach the metro station directly from the foot over bridge. Passengers will also get wheelchair facilities as it near a hospital. There will be a special parking facility for rickshaws and cycles at the station.

FREE PRESS (23.05.2022)

INDORE

Launchers used to place slabs atop pillars near MR 10

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

The work of Indore Metro is speeding up, and now concrete slabs have been placed using the launcher on top of the pillars, at the construction site near MR 10. The metro tracks will be placed on the slabs.

At two sections of the construction site, two separate launchers have been installed. At one part of the site GSS (Ground Support System) Launcher is being used for setting the slabs while at other parts a long launcher is used .

At one part of the site, over four pillars have been covered with the slabs while at another part, three pillars have been set with the slabs.

In the middle of these two parts, there will be a metro station for which the agency has started foundation work. Foundation pillars' work has started and iron rods and other materials have been put in place.

Apart from this, the work of setting pillar caps has started at the pillars from MR 10 towards Chandragupta Maurya Square.

According to the officials of Indore Metro, it is expected that within a few months all the slabs of the track from MR 10 to Radisson will be set up and be ready for installation of tracks and electrification work.

The work of Indore Metro is going on at the construction site on MR 10 where the slabs are being installed using a launcher. PIC BY - PINTU NAMDEV

MONSOON WOULD NOT BE A CHALLENGE

Officials claimed that the Metro construction work speed would remain constant in the monsoon, as well. They said that there will only be a minor impact on the work due to rains.

09

SWADESH (27.05.2022)

INDORE

मेट्रो ट्रेन की तेज गति...

इंदौर को जल्द ही मेट्रो ट्रेन की भी सौगात मिल सकेगी। संभवतः अगस्त 2023 में मेट्रो दौड़ने लगेगी। वर्तमान में इसका काम तेजी से जारी है। इस प्रोजेक्ट पर लगभग 12 हजार करोड़ खर्च होंगे। प्रति किमी लगत 182 करोड़ है। इसमें तीन प्रकार के रन होंगे, सड़क, पुल और कुछ स्थानों पर भूमिगत मेट्रो ट्रेन चलेगी। इंदौर मेट्रो परियोजना का निर्माण भूकंपरोधी पद्धति से किया जा रहा है, जिससे परियोजना की वास्तविक लगत में वृद्धि भी संभावित है। पहले चरण में 33.33 किलोमीटर पर काम किया जा रहा है, जिसमें कुल 29 स्टेशन रहेंगे, मुख्य कॉरिडोर में रेडिसन चौराहे तक के हिस्से में पिल्लर खड़े करने का काम तेजी से किया जा रहा है। एमआर 10 आरओबी के हिस्से में गर्डर की भी लांचिंग हो चुकी है। इसके निर्माण में कई बाधाओं को हटाया गया है, जबकि कई की शिफ्टिंग की गई है। वर्ष 2023 तक मेट्रो ट्रेन चलाने की योजना पर काम किया जा रहा है। 1 मई 2019 को एशियाई विकास बैंक ने इंदौर मेट्रो परियोजना को सैद्धांतिक मंजूरी दी थी, जबकि केंद्र सरकार ऋण के लिए गारंटर के रूप में है।

DAINIK BHASKAR (30.05.2022)

INDORE

दैनिक भास्कर इंदौर 30-05-2022

इंदौर

पटरी पर मेट्रो प्रोजेक्ट

5.29 किमी के वाया डक्ट का काम 49 फीसदी पूरा, इस हिस्से में 7 स्टेशन के वर्क ऑर्डर हो चुके

इंदौर| मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट की यह तस्वीर एमआर-10 ब्रिज के पास की है। इसका काम दो चरणों में किया जा रहा है। पहले चरण में गांधी नगर से रोबोट चौराहे तक 17.5 किमी में काम होगा, ताकि इस हिस्से पर ट्रायल रन पूरा किया जा सके। इसमें वाया डक्ट का काम भी चल रहा है। 5.29 किमी के वाया डक्ट का काम 49 फीसदी हो चुका। इस हिस्से में सात स्टेशन के वर्क ऑर्डर हो चुके हैं। फोटो : संदीप जैन

PATRIKA (30.05.2022)
INDORE

मेट्रो की स्लैब तैयार, टेंडर भी जारी, अब पटरी का इंतजार

प्रायोरिटी कॉरिडोर का काम तेजी से बढ़ रहा आगे

इंदौर @ पत्रिका. शहर में मेट्रो का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रायोरिटी कॉरिडोर के दोनों हिस्सों पर ट्रैक और स्टेशन आकार लेने लगे हैं। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने हाल ही में पटरी डालने के लिए भी टेंडर आमंत्रित किए हैं। जल्द ही ट्रैक पर पटरी बिछाने का काम भी शुरू हो जाएगा। जिस तरह से कॉर्पोरेशन काम कर रहा है, सितंबर-2023 तक मेट्रो की जाय राइड शुरू हो सकती है, क्योंकि प्रायोरिटी कॉरिडोर के लिए सभी कामों के टेंडर जारी कर दिए हैं। रोलिंग स्टॉक के लिए भी दो कंपनियों के टेंडर फिल चुके हैं। इनमें से एक को जल्द ही काम का आवंटन किया जा रहा है। टिकिटिंग व संचालन के लिए भी एजेंसियों के आवेदन आए हैं। जिनका परीक्षण चल रहा है। इन सभी के साथ कॉर्पोरेशन ने दूसरे चरण का काम भी शुरू कर दिया है।